



**CLASS: III
SESSION NO :5
SUBJECT : (HINDI)
CHAPTER NAME&NO—पाठ- १० आगे बढ़ना सीखो।
SUB -TOPIC- अभ्यास कार्य- ४ संदर्भ से तथा व्याकरण।**

CHANGING YOUR TOMORROW



😊😊 सीखने का उद्देश्य😊😊

- ✿ पठित बोध के ज्ञान में बृद्धि हो पाना।
- ✿ व्याकरण की कुशलता में बृद्धि हो पाना।

पाठ - १० * आगे बढ़ना सीखो * |



अभ्यास कार्य - ४



संदर्भ से



व्याकरण।

संदर्भ से

वाक्य- देश धर्म से प्यार करो,
दिन दुखी के कष्ट हरो।

सही उत्तर दें-

प्रश्न- देश प्रेम से आप क्या समझते हैं ?

प्रश्न - आप गरीबों की मदद कैसे करेंगे?

प्रश्न – देश के मुख्य अरियों का सामना कैसे करोगे ?

प्रश्न - जीवन में आगे बढ़ने के लिए सबसे ज़रूरी बात क्या है ?

संदर्भ से

वाक्य- देश धर्म से प्यार करो,
दिन दुखी के कष्ट हरो।

उत्तर – जो व्यक्ति सच्चे मन से अपने देश की तरक्की के बारे में सोचता है, सही मायने में वह अपनी मातृभूमि से प्रेम करता है।

उत्तर- हम गरीबों की मदद उनकी ज़रूरतों को पूरा करके कर सकते हैं ।

उत्तर – देश के मुख्य अरियों का सामना हम अपनी चतुराई तथा धेर्य से करेंगे।

उत्तर - जीवन में आगे बढ़ने के लिए सबसे ज़रूरी बात यह है , हमें हर हालात का सामना इटकर करते हुए मेहनत तथा कोशिश का साथ कभी ना छोड़ें।

1. **अनुस्वार** तथा **अनुनासिक** वाले दो दो शब्द लिखें।
2. 'र' के तीन अलग - अलग रूपों से बनने वाले दो दो शब्दों को लिखें।
3. 'है' तथा 'हुँ' लगाकर एक एक वाक्य बनाओ।
4. **गणेश** तथा **मित्र** का समान अर्थ वाले शब्द लिखें।

1. अनुस्वार- संकट, हंस तथा अनुनासिक – कहाँ, वहाँ वाले शब्द।
 2. 'र' का सामान्य रूप – राह, रथ रेफ़- धर्म, कर्म पदेन – प्रणाम, इमा।
 3. 'हे' – मदन एक अच्छा लड़का है।
 4. 'हो' – आज पाठशाला तथा बाज़ार बंद हैं।
 4. गणेश – गजानन, गणपति, लंबोदर
- मित्र – सखा, दोस्त, साथी**

अध्ययन के परिणाम



पठित बोध के ज्ञान में वृद्धि हो पाना।



व्याकरण की कुशलता में वृद्धि हो पाना।



THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP